Roll No. ..... Total Pages: 04

1609

B.A. /B.Ed. (FIRST YEAR) EXAMINATION, 2018

SANSKRIT LITERATURE

Paper-I

(दृश्य एवं श्रव्य काव्य)

Time: Three Hours

Maximum Marks: 60

निर्देश :

प्रश्न–पत्र में निर्धारित ग्रन्थ में से लघुत्तरात्मक–निबन्धात्मक

अनुवाद व्याख्या व समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

15 प्रश्न लघुत्तरात्मक होंगे, जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर

संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।

जिस प्रश्न–पत्र में संस्कृत अनुवाद/निबन्ध पूछे गए हैं, वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

- *इकाईवार निर्देशानुसार प्रश्न–पत्र हल कीजिए।*
- *प्रत्येक इकाई में निबन्धात्मक, लघुत्तरात्मक प्रश्नों को विकल्पानुसार हल करें।*
- *इकाईवार प्रश्नों के अंकों को विभाजित किया गया है।*
- *इकाई प्रथम व द्वितीय में लघुत्तरात्मक प्रश्नों में से प्रथम पाँच प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए। अंक विभाजन प्रश्नों के समक्ष अंकित है।*

इकाई – I

स्वप्न वासवदत्तम्

प्र.1 किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी में व्याख्या कीजिए– (5+5=10)

(अ) खगाः वासोपेताः सलिलमवगाढो मुनिजनः
प्रदीप्तोऽग्निर्भाति प्रविचरति घूमो मुनिवनम्।
परिभ्रष्टो दूराद् रविरपि च संक्षिप्त किरणो
रथं व्यावर्त्यासौ प्रविशति शनैरस्तशिखरम्।।

(ब) कं कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले
रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति।
एवं लोकस्तुल्यधर्मो वनानां
काले काले छिद्यते रुह्यते च।।

(स) ऋज्वायतां च विरलां च नतोन्नतां च
सप्तर्षिवंशकुटिलां च निवर्तनेषु।
निर्मुच्यमान भुजगोदरनिर्मलस्य
सीमामिवाम्बरतलस्य विभज्यमानाम्।।

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में दीजिए– (2+2+2=6)

(अ) शिरोवेदनया पीडिता पद्मावती कुत्र गच्छति?

(ब) चित्रफलके वासवदत्तां दृष्ट्वा राजा किं अकथयत्?

(स) उदयनस्य प्रधान महामात्यस्य किं नाम?

(द) यौगन्धरायणः कस्मिन वेशे तपोवने प्रविशति?

इकाई – II

''नीतिशतकम्''

प्र.3 किन्हीं दो श्लोकों का भावार्थ सन्दर्भ सहित प्रस्तुत कीजिए– (5+5=10)

(अ) आरम्भ गुर्वी क्षयिणी क्रमेण
लघ्वी पुरा वृद्धिमती च पश्चात्।
दिनस्य पूर्वार्ध परार्ध भिन्ना
छायेव मैत्री खल–सज्जनानाम्।।

(ब) दाक्षिण्यं स्वजने दया परिजने शाठ्यं सदा दुर्जने
प्रीतिः साधुजने नयो नृपजने विद्वज्जने नार्जवम्।
शौर्यं शत्रुजने क्षमा गुरुजने नारीजने धृष्टता
ये चैवं पुरुषाः कलासु कुशलास्तेष्वेव लोकस्थितिः।।

(स) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः।
कदाचिदपि पर्यटन् शशविषाणमासादयेत्
न तु प्रतिनिविष्ट मूर्ख जन चित्तमाराधयेत।।

प्र.4 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में दीजिए – (2+2+2=6)

(अ) महात्मनाम् प्रकृतिसिद्धं के के गुणाः भवन्ति?
(ब) मनुष्याणां शरीरस्थो महान रिपुः किम्?
(स) धनं कयं विनइयति?
(द) धीर पुरुष के लक्षण बताइए।

इकाई – III

''रघुवंशम्''

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए– (5+5=10)

(अ) निर्दिष्टां कुलपतिना स पर्णशालां
मध्यास्य प्रयतपरिग्रह द्वितीयः।
तच्छिष्याध्ययननिवेदितावसानां
संविष्टः कुशशयने निशां निनाय।।

(ब) ईप्सितं तदवज्ञानाद विद्धि सार्गलमात्मनः।
प्रतिबध्नाति हि श्रेयः पूज्यपूजा व्यतिक्रमः।।

(स) राजा दिलीप की सन्तानहीनता का कारण और निवारण के उपाय बताइए।

प्र.6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर हिन्दी भाषा में दीजिए– (2+2+2=6)

(अ) आकाश में उड़ते हुए सारसों की पंक्ति किस प्रकार लग रही थी?

(ब) राजा दिलीप की शारीरिक सुन्दरता कैसी थी?

(स) राज्य के सात अंग कौन–कौन से हैं?

(द) ''अनावृतं कपाटं द्वारं देहि'' यह किसके द्वारा, कब कहा गया है?

इकाई – IV

''शब्द रूप''

प्र.7 किन्हीं दो प्रश्नों की रूप सिद्धि कीजिए– (3+3=6)

(अ) रामाः

(ब) वारि

(स) सखा

प्र.8 सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (1×6=6)

(अ) एच् प्रत्याहार के अन्तर्गत आने वाले वर्णों को बताइए।

(ब) ''पितृ'' शब्द सप्तमी द्विवचन में क्या रूप बनेगा?

(स) ''वारि'' शब्द प्रथमा विभक्ति के रूप लिखिए।

(द) ''अजन्त'' किसे कहते हैं?

(य) सुप् प्रत्ययों की संख्या बताइए।

(र) ''कृत्तद्धितसमासाश्च'' सूत्र से कौन सी संज्ञा होती है?